### प्रदेश के उच्च शिक्षा के 1.28 लाख शिक्षकों सहित 10 लाख को मिलेगी सुविधा

# आगरा में योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना का किया शुभारंभ

**राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, आगरा :** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आगरा प्रवास के दूसरे दिन रविवार को आगरा विश्वविद्यालय के खंदारी परिषद स्थित शिवाजी मंडपम ऑडिटोरियम में पहुंचकर विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना के साथ साथ वृहद बीमा सुरक्षा योजना को लांच किया इससे पहले खंदारी परिसर पहुंचने के उपरान्त विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उन्नति और विकास तथा सामाजिक योगदान विषय पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान विश्वविद्यालय की कुलपति आशु कुमारी से भी कुछ विषयों पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में जिलों में सजीव प्रसारण देखा गया।

**1.28 लाख विश्वविद्यालय शिक्षकों और उनके परिजनों सहित करीब 10 लाख लोगों को मिलेगा लाभ :** इस कार्यक्रम मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस योजना से विश्वविद्यालय, सरकारी सहायता प्राप्त और प्राइवेट कॉलेज के करीब 1.28 लाख शिक्षकों को और उनके पारिवारिक जनों को लाभ मिलेगा जिसमें करीब 10 लाख लोगों के कवर होने का अनुमान है। इस योजना के तहत हर पात्र परिवार को हर साल 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी, इस कार्ड के माध्यम से सभी गंभीर बीमारियों सहित 1900 से भी ज्यादा बीमारियों का इलाज पैकेज में मिलेगा इस योजना में भी आयुष्मान भारत जैसी दरें ही लागू है। उन्होंने कहा कि यह योजना उच्च शिक्षा मंत्री के गृह जनपद से शुरू की जा रही है। पंजाब नेशनल बैंक के जीएम और उच्च शिक्षा विभाग के बीच एमओयू साइन हुआ है। सरकार द्वारा पीएनबी के साथ भी एक करार किया गया है जिसमें शिक्षकों को 1.5 करोड़ का एक्सीडेंटल बीमा, 3 करोड़ तक का हवाई दुर्घटना बीमा, 60 हजार तक का अस्पताल का खर्च यानी कैश बेनिफिट और 12 लख रुपए का टर्म लाइफ इंश्योरेंस जीवन बीमा मिलेगा।

**भारतीय परंपरा में शिक्षक का स्थान सर्वोपरि :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में भारतीय संस्कार और परंपराओं का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय परंपरा में शिक्षक का स्थान सर्वोपरि रहा है । उन्होंने आगे कहा कि सच्चा शिक्षक वही है , जो अपने शिष्य को केवल किताबी शिक्षा ना दे बल्कि उसको सच्ची और सही सोच और दृष्टि दे। इस संबंध में उन्होंने प्रसिद्ध वैद्य जीवक की कहानी भी सुनाई। उन्होंने कहा कि हर एक छात्र में सीखने की लालसा होनी चाहिए परंतु शिक्षक का कर्तव्य है कि वह उसको सही मार्ग दिखलाएं बेहतर परिणाम तभी संभव है , जब शिक्षक अपने छात्रों को सही रास्ता दिखाते रहेंगे।

**छात्रों के प्रति शिक्षकों की भी बड़ी जिम्मेदारी :** उन्होंने आगे कहा कि अब शिक्षण संस्थानों में शिक्षक माहौल पहले जैसा नहीं है, फिर भी शिक्षक अपने छात्रों में उनकी योग्यता को तराशने, उनकी क्षमताओं को बढ़ाने का प्रयास करें और उनकी रुचि के अनुरूप और उनकी क्षमताओं के अनुसार उसको आगे बढाने ने का काम करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि बदलते शैक्षणिक माहौल में सोशल मीडिया का सही इस्तेमाल बहुत आवश्यक हो गया है।

**बदलते समय में सोशल मीडिया के सही इस्तेमाल की आवश्यकता :** सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि ये दोनों प्लेटफार्म जहां एक ओर शिक्षा देने का काम करती हैं वही गलत जानकारी मिलने से भटकाव की भी संभावना बनी रहती है । डिजिटल प्लेटफार्म से गलत जानकारी प्राप्त कर युवा रास्ता भटक जाते हैं ऐसे में आवश्यकता है कि उनको सही दिशा दिखाई जाए।

# गंगा एक्सप्रेस वे पर डिवाइडर से टकरा कर बस पलटी, दो की मौत, 25 से अधिक यात्री घायल

### जनपद संभल की बहजोई कोतवाली क्षेत्र में हुआ हादसा

**राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, संभल :** उत्तर प्रदेश के जनपद संभल की बहजोई कोतवाली क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेस वे पर रविवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। बहराइच से पंजाब जा रही एक डबल डेकर बस के चालक को झपकी आने के कारण बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 25 से अधिक लोग घायल हो गए। बस में करीब 150 यात्री सवार थे। सूचना मिलते ही यूपीडा, पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव अभियान शुरू किया।

यह हादसा रविवार सुबह करीब छह बजे चंदौसी तहसील के बहजोई थाना क्षेत्र में लहरावन इंटरचेंज के पास किलोमीटर 126/400 पर हुआ। तेज रफ्तार बस अचानक अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। डॉक्टरों ने अस्पताल पहुंचने पर नेहा (17) बहराइच और पिंटू (36) गोंडा को मृत घोषित कर दिया। घायलों में सुरेंद्र कुमार, मुन्नालाल, अनीता, अरविंद, शोभित, गुड्डो, पूनम, गीता, रूमाना, रामादेवी, सत्तू, पंकज, विपिन, ऋषभसिंह, महेश, दिनेश, छोटू समेत कई अन्य यात्री शामिल हैं। सभी को बहजोई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। गंभीर रूप से घायल कुछ यात्रियों को उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही यूपीडा की टीम, पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंच गईं। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। बाद में क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त बस को हाईवे से हटाया गया, जिससे यातायात सामान्य हो सका। वही घटना की जानकारी मिलते ही सीएमओ डॉ. तरुण पाठक और एएसपी मनोज रावत बहजोई सीएचसी पहुंचे। दोनों ने घायलों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और चिकित्सकों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। घायलों के बारे में सीएमओ संभल डॉ. तरुण पाठक ने बताया कि शुरुआती जांच में बस चालक को नींद की झपकी आने के कारण हादसा होना सामने आया है। उन्होंने बताया कि दो लोगों की मौत हुई है, जबकि 20 से 25 घायल यात्रियों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

## कुएं में उतराता मिला वृद्ध महिला का शव

**मीरजापुर ।** उत्तर प्रदेश में मीरजापुर जिले के मड़िहान थाना क्षेत्र स्थित मटिहानी गांव में रविवार सुबह 66 वर्षीय वृद्धा का शव घर के पास स्थित कुएं में उतराता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजन कुएं में गिरने से मौत होने की आशंका जता रहे हैं। गांव निवासी रमावती देवी शनिवार रात भोजन के बाद घर में सोई थीं। उनके पुत्र धीरेंद्र ने बताया कि सुबह करीब पांच बजे नींद खुलने पर मां बिस्तर पर नहीं मिलीं। पहले लगा कि वह शौच के लिए बाहर गई हैं, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटीं। इसके बाद परिवार के लोग उनकी तलाश में जुट गए। इसी दौरान घर के पास स्थित जमीन स्तर के कुएं में झांकने पर रमावती देवी का शव पानी में उतराता दिखाई दिया। सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों की मदद से रस्सी के सहारे शव को बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचना दी गई। मृतका अपने दूसरे पुत्र धीरेंद्र के साथ रहती थीं। उनके तीन पुत्र हैं और सभी विवाहित हैं।

# केशव मौर्य व ब्रजेश पाठक ने लखनऊ व पंकज चौधरी ने मेरठ में सुनी 'मन की बात'

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने लखनऊ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने रविवार को मेरठ में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने लखनऊ महानगर की विधानसभा उत्तर में मंडल-3 के बूथ संख्या-200 पर कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लखनऊ के कैंट विधानसभा क्षेत्र के कैंट मंडल-2 अंतर्गत कृष्णा नगर स्थित वार्ड संख्या-92 में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं व नागरिकों के साथ आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना।

**एक पेड़ मां के नाम अभियान की प्रधानमंत्री ने की सराहना :** लखनऊ स्थित कैम्प कार्यालय पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से उनके प्रेरक विचारों को सुना। इस अवसर पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह प्रेरणास्पद संवाद अंत्योदय की भावना को सशक्त बनाते हुए जनसहभागिता को नई ऊर्जा प्रदान करता है तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करता है।

केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश द्वारा एक ही दिन में 35 करोड़ से अधिक पौधरोपण के अभूतपूर्व अभियान का उल्लेख कर प्रदेशवासियों की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता और जनशक्ति की अद्भुत मिसाल को राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि जब जनसंकल्प, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सामूहिक प्रयास एक साथ आगे बढ़ते हैं, तब पर्यावरण संरक्षण केवल अभियान नहीं, बल्कि जन-आंदोलन बन जाता है।

### जयप्रकाश चतुर्वेदी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, सादगी और कर्मनिष्ठा का अनुपम उदाहरण रहा : विश्वकर्मा

**वाराणसी ।** उत्तर प्रदेश सरकार में सूक्ष्म, लघु, माध्यम उद्योग राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने रविवार को वाराणसी में अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, कुशल संगठनकर्ता, हम सभी के प्रेरणास्रोत एवं मार्गदर्शक, पूर्व संगठन मंत्री तथा पूर्व विधान परिषद सदस्य जयप्रकाश चतुर्वेदी के निधन का अत्यंत दु:खद समाचार प्राप्त हुआ। जयप्रकाश चतुर्वेदी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, संगठन के प्रति समर्पण, सादगी और कर्मनिष्ठा का अनुपम उदाहरण रहा। राज्य मंत्री ने कहा कि जयप्रकाश चतुर्वेदी ने अपने अथक परिश्रम और दूरदर्शी नेतृत्व से असंख्य कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया तथा संगठन को सशक्त बनाने में अमूल्य योगदान दिया। बाबा श्री काशी विश्वनाथ से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार, शुभचिंतकों एवं समस्त भाजपा परिवार को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति दें। उनके प्रति भावभीनी श्रद्धांजलि है।

# यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल हुआ सारनाथ उत्तर प्रदेश को मिला चौथा विश्व धरोहर स्थल

**राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी :** लगभग 28 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद भगवान बुद्ध की प्रथम धर्मदेशना स्थली सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया है। दक्षिण कोरिया के बुसान में आयोजित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र में शनिवार शाम इस ऐतिहासिक निर्णय की घोषणा की गई। इसके साथ ही सारनाथ भारत का 45वां तथा उत्तर प्रदेश का चौथा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बन गया है।

इस उपलब्धि से बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में शामिल सारनाथ को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है। साथ ही, उत्तर प्रदेश के बौद्ध सर्किट को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के मानचित्र पर नई मजबूती मिलने की उम्मीद है। सारनाथ को 3 जुलाई 1998 को यूनेस्को की टेंटेटिव (संभावित) सूची में शामिल किया गया था। लगभग 28 वर्षों बाद मिली यह मान्यता उत्तर प्रदेश के लिए विशेष महत्व रखती है। अब तक राज्य के तीन विश्व धरोहर स्थल—ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी—आगरा मंडल तक सीमित थे। सारनाथ के शामिल होने से प्रदेश की विश्व धरोहर पहचान पूर्वांचल तक विस्तृत हो गई है और राज्य की समृद्ध बौद्ध विरासत को वैश्विक मान्यता मिली है।

**चौखंडी स्तूप और पुरातात्विक अवशेषों को मिली मान्यता :** यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त इस विश्व धरोहर संपत्ति में चौखंडी स्तूप तथा सारनाथ का पुरातात्विक परिसर शामिल है। दोनों स्थल एक-दूसरे से लगभग 626 मीटर की दूरी पर स्थित हैं। चौखंडी स्तूप भगवान बुद्ध और उनके पांच प्रथम शिष्यों के मिलन का प्रतीक माना जाता है, जबकि पुरातात्विक परिसर में धामेक स्तूप, धर्मराजिका स्तूप, प्राचीन विहारों के अवशेष और अशोक स्तंभ जैसे महत्वपूर्ण स्मारक शामिल हैं। ये स्मारक सारनाथ के विश्व के प्रमुख बौद्ध आस्था एवं ज्ञान केंद्र के रूप में हुए ऐतिहासिक विकास की गवाही देते हैं।

**बौद्ध धर्म में सारनाथ का विशेष महत्व :** सारनाथ वही पावन स्थल है जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना प्रथम उपदेश देकर 'धर्मचक्र प्रवर्तन' की शुरुआत की थी। प्राचीन बौद्ध ग्रंथों में इसका उल्लेख 'ऋषिपत्तन' के नाम से मिलता है।

यहीं भगवान बुद्ध ने अपने प्रथम पांच शिष्यों को धर्म का उपदेश देकर करुणा, शांति और मध्यम मार्ग का संदेश मानवता को दिया था। करीब 2600 वर्षों से सारनाथ बौद्ध आस्था, तीर्थ परंपरा, मठ जीवन, प्राचीन स्थापत्य और समृद्ध कला विरासत का प्रमुख केंद्र रहा है। यूनेस्को की यह मान्यता इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठा प्रदान करेगी।

**28 वर्षों की प्रतीक्षा का ऐतिहासिक परिणाम:** उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान प्रदेश की बहुआयामी सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार ने सभी आस्था एवं विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास को समान प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा कि 28 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद सारनाथ को मिला यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिससे उत्तर प्रदेश के बौद्ध सर्किट को नई वैश्विक पहचान मिलेगी और प्रदेश का शांति, आध्यात्मिकता एवं सांस्कृतिक समावेश का संदेश दुनिया तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचेगा।

**सारनाथ की पहचान केवल स्मारकों तक सीमित नहीं:** सारनाथ के यूनेस्को नामांकन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली संरक्षण वास्तु विशेषज्ञ आभा नारायण लांबा ने कहा कि सारनाथ की पहचान केवल इसके स्मारकों तक सीमित नहीं है। यह वह पवित्र स्थल है जहां भगवान बुद्ध ने प्रथम धर्मदेशना दी, बौद्ध संघ की स्थापना हुई और बौद्ध स्थापत्य की प्रारंभिक परंपराओं का विकास हुआ। उन्होंने कहा कि लगभग ढाई हजार वर्षों से यहां जीवित बौद्ध तीर्थ परंपरा इस स्थल को विशिष्ट सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का दर्जा प्रदान करती है।

**पर्यटन को मिलेगा नया आयाम:** पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने इसे उत्तर प्रदेश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह प्रदेश के पर्यटन स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2025 में लखनऊ को यूनेस्को की 'क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी' की मान्यता मिलने के बाद अब सारनाथ को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाना प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त करेगा। इससे विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़न तथा उप्र के व्यापक बौद्ध सर्किट को वैश्विक स्तर पर नई गति मिलने की संभावना है।

## आपका राशिफल 27 जुलाई

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-1-4-6

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-5-7

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-3-6-7

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। मनोबल ऊंचा रखें और काम में लगे रहें। शुभांक-4-6-8

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-8-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़ तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-4-7-9

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक 2 5 9

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

**मकर** (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रह। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-3-5-7

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-9-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-7

# पानी से भरे गड्ढे में डूबने से 6 वर्षीय बच्चे की मौत

**नईदुनिया ब्यूरो, नोएडाः** ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-दो क्षेत्र स्थित कलाधाम आवासीय परिसर में पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूबने से छह वर्षीय बालक आव्यान की मौत हो गई। घटना शनिवार शाम उस समय हुई, जब वह घर के बाहर अपने साथियों के साथ क्रिकेट खेल रहा था। खेलते-खेलते वह पानी से भरे गड्ढे के पास पहुंचा और कीचड़ में फिसलकर उसमें गिर गया।

साथ खेल रहे बच्चों ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। काफी प्रयास के बाद बालक को गड्ढे से बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आव्यान के पिता शिवान यादव केंद्रीय विद्यालय में उपप्रधानाचार्य हैं। हादसे के बाद परिवार में शोक का माहौल है। परिजन घटना के लिए विकास प्राधिकरण की लापरवाही को जिम्मेदार बता रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, जिस गड्ढे में बालक गिरा, उसे विकास प्राधिकरण ने बोरिंग कार्य के लिए खुदवाया था। लगभग 15 फुट गहरे इस गड्ढे में वर्षा का पानी भर गया था, लेकिन उसके चारों ओर किसी प्रकार की सुरक्षा घेराबंदी नहीं की गई थी।

घटना के बाद विकास प्राधिकरण ने ठेकेदार मनोज जैन, संविदा कर्मी पर्यवेक्षक जॉनी तथा तकनीकी पर्यवेक्षक आकाश के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कराया। तीनों की सेवाएं समाप्त कर दी गईं और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद गड्ढे के चारों ओर सुरक्षा घेराबंदी भी कराई गई।

# उत्तर प्रदेश में वर्षा का कहर, नदियाँ उफान पर

### बलिया में विद्यालय नदी में समाया, कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात और 25 जिलों में वर्षा की चेतावनी

**नईदुनिया ब्यूरो, वाराणसीः** पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण उत्तर प्रदेश की प्रमुख नदियां उफान पर हैं। गंगा, यमुना सहित दस नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इनमें घाघरा और शारदा सहित चार नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बढ़ते जलस्तर के कारण कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं और जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

बलिया जिले में सरयू नदी के तेज कटाव से एक शासकीय विद्यालय और एक मकान नदी में समा गया।

वहीं, गोंडा जिले में घाघरा नदी का पानी फैलने से 100 बीघा से अधिक कृषि भूमि की फसल जलमग्न हो गई।

नदी किनारे रहने वाले लोग अपने कच्चे मकानों को स्वयं हटाकर ईंट, बांस और अन्य उपयोगी सामग्री सुरक्षित स्थानों पर ले जाने में जुटे हैं।

सरयू और घाघरा नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण सीतापुर, पीलीभीत, लखीमपुर और बहराइच के अनेक गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इन क्षेत्रों में पानी के साथ बहकर आए मगरमच्छों के रिहायशी इलाकों तक पहुंचने की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिससे ग्रामीणों में भय का वातावरण है।

रविवार को नोएडा और बिजनौर में वर्षा दर्ज की गई, जबकि लखनऊ में शाम के समय तेज वर्षा हुई। बाराबंकी, आगरा सहित कई अन्य शहरों में मौसम सामान्य बना रहा। मौसम विभाग ने प्रदेश के 25 जिलों के लिए वर्षा की चेतावनी जारी की है। वाराणसी, प्रयागराज सहित आठ जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की आशंका भी व्यक्त की गई है।

इससे पहले शनिवार को वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, मेरठ सहित 36 शहरों में वर्षा हुई। फर्रुखाबाद में सर्वाधिक 13.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। कानपुर में कई गलियां जलभराव के कारण तालाब जैसी दिखाई दीं। मेरठ के चिकित्सा महाविद्यालय परिसर में भी वर्षा का पानी भर गया, जिससे बाह्य रोगी विभाग के प्रवेश द्वार तक घुटनों के बराबर पानी जमा हो गया और मरीजों को उसी में होकर आना-जाना पड़ा।

लखनऊ स्थित मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, हवाओं का रुख पहले राजस्थान और मध्य भारत की ओर होने से प्रदेश में वर्षा की गतिविधियां कमजोर पड़ गई थीं। अब बंगाल की खाड़ी और बांग्लादेश के निकट कम दबाव का क्षेत्र बनने से मानसूनी हवाएं पुनः उत्तर प्रदेश की ओर सक्रिय होंगी। उन्होंने बताया कि रविवार को सीमित क्षेत्रों में हल्की वर्षा की संभावना है, जबकि 27 जुलाई से वर्षा का दायरा बढ़ेगा और मानसूनी गतिविधियां फिर से तेज होने की संभावना है।

### राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की जांच के लिए नई विशेष जांच टीम गठित

**लखनऊः** अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की जांच के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने नई विशेष जांच टीम का गठन किया है। तीन सदस्यीय इस टीम की अध्यक्षता लखनऊ परिक्षेत्र की पुलिस महानिरीक्षक किरण एस. करेंगी। अयोध्या के पुलिस उपमहानिरीक्षक तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भी टीम का सदस्य बनाया गया है। उच्चतम न्यायालय ने 13 जुलाई 2026 को सुनवाई के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की अध्यक्षता में नई विशेष जांच टीम गठित करने का निर्देश दिया था। न्यायालय ने 27 जुलाई को मामले की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी आदेश दिया था। इसी के बाद राज्य सरकार ने नई टीम का गठन किया। नई व्यवस्था के अनुसार, विशेष जांच टीम समय-समय पर सीधे उच्चतम न्यायालय में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। मामले की जांच की निगरानी भी न्यायालय स्वयं करेगा। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित विशेष जांच टीम की अध्यक्षता मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत कर रहे थे।